**प्रसार भारती**
**भारतीय प्रसारण निगम**
**आकाशवाणी केन्द्र शिमला**
**20.03.2026 / प्रादेशिक समाचार / 15.00बजे**

**प्रश्नकाल**

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा है कि प्रदेश में इस समय एक हज़ार 98 ऐसे भवन हैं जो खाली पड़े हुए हैं और इनका कोई उपयोग नहीं हुआ है। शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र में आज प्रश्नकाल के दौरान विधायक सतपाल सिंह सत्ती के मूल प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि ये भवन विभिन्न सरकारी विभागों निगमों और बोर्डों के अलावा स्वास्थ्य व शिक्षण संस्थानों के हैं। इन भवनों के निर्माण पर बीते वर्षों में करोड़ों रुपए खर्च हुए हैं। विधायक जे.आर. कटवाल के एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि जल विद्युत का उत्पादन पानी की उपलब्धता, आपदा के कारण रुकावट और गाद की समस्या सहित अन्य कारणों पर निर्भर करता है, ऐसे में किसी भी वित्त वर्ष के लिए ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता और न ही ऐसा कोई प्रावधान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 22 हज़ार 9 सौ 50 मैगावाट जल विद्युत उत्पादन की क्षमता है। इसमें से 13 हजार मैगावाट विद्युत का उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में एक सौ 88 जल विद्युत परियोजनाएं कार्य कर रही हैं जबकि 24 निर्माणाधीन हैं और 5 जल विद्युत परियोजनाओं को मंजूरी मिलना शेष है जबकि छह परियोजनाएं कानूनी दांव पेंच में फंसी हुई हैं।

**हंगामा**

विधानसभा में आज शून्यकाल के दौरान विपक्ष ने नशे का मुद्दा उठाया। इस दौरान सदन में सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। विपक्ष ने सरकार पर नशा रोकने के लिए गंभीर न होने के आरोप लगाए और विरोध जताते हुए सदन से वॉकआउट कर दिया। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि वर्तमान कांग्रेस सरकार के साढ़े तीन साल के कार्यकाल में नशा गांव–गांव तक पहुंच चुका है। नेता प्रतिपक्ष ने  सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि नशे के खिलाफ केवल दिखावे के लिए वॉकथन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें स्कूलों से बच्चों को बुलाकर 4 से 5 घंटे तक इंतजार करवाया जाता है जबकि जमीनी स्तर पर ठोस कार्रवाई की कमी है। उन्होंने कहा कि बिना उचित जांच के एसटीएफ में पुलिस कर्मियों की तैनाती नशे के खिलाफ अभियान की गंभीरता पर प्रश्नचिन्ह लगाते हैं।

**मौसम**

प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते पिछले तीन दिनों से ऊंची चोटियों पर हिमपात और निचले व मैदानी क्षेत्रों में वर्षा का सिलसिला लगातार जारी है। मार्च के महीने में मौसम के इस बदले मिजाज़ से जहां ठंड एक बार फिर लौट आई है, वहीं कुछ जिलों में बिजली व सड़क व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुई है। विस्तृत ब्यौरे के साथ हमारे विशेष संवाददाता.....

*हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति, कुल्लू, चंबा सहित किन्नौर जिले में पिछले तीन दिनों से बर्फबारी से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। अटल टनल रोहतांग के आसपास तीन फीट तक ताजा हिमपात हो चुका है और इसके चलते फिलहाल सभी प्रकार के वाहनों के लिए टनल बंद है। किन्नौर जिले के छितकुल में भी एक फुट से भी ताजा हिमपात हुआ है। इसके अलावा चंबा, लाहौल स्पीति जिले में हिमपात से कई सड़कें व बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। हालांकि इन व्यवस्थाओं को सुचारू करने के लिए विभागीय कर्मचारी लगातार कार्य कर रहे हैं। राजधानी शिमला सहित मैदानी जिलों में भी वर्षा के बीच सर्द हवाओं का दौर लगातार जारी है। मौसम में बदलाव से तापमान में 8 से 9 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने आज रात तक ऊंची चोटियों पर हिमपात व अन्य 5 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।*

**सिकंदर कुमार**

केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया है कि स्वदेशी विमान विनिर्माण और रख–रखाव व मुरम्मत पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना के लिए पिछले कुछ वर्षों में अनेक कदम उठाए गए हैं। राज्यसभा सांसद डॉक्टर सिकंदर कुमार द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने ये बात कही। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि डी.जी.सी.ए में एक हज़ार 63 स्वीकृत पदों में से 4 सौ 26 पद 2022 से 2024 की अवधि के दौरान सृजित किए गए थे।

**इंदु गोस्वामी**

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत वित्त वर्ष 2025–26 के लिए हिमाचल प्रदेश को 5 सौ 4 करोड़ 29 लाख रूपये जारी किए गए हैं। राज्यसभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी के एक सवाल पर केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री प्रताप राव जाधव ने संसद में ये जानकारी दी।

.....